THE VILLAGE
INTERNATIONAL SCHOOL
"We Nurture Dreams"
AIM HIGH, TOGETHER WE FLY

प्रश्नोत्तर	**Topic:** सूरदास के पद	**Note: Pls. write in your Hindi note book**

प्रश्न-अभ्यास –

अति लघु प्रश्नोत्तर

1 श्रीकृष्ण की माता का क्या नाम है?

उ- श्रीकृष्ण की माता का नाम यशोदा है|

2 सूरदास किसकी जोड़ी बनाए रखने की बात करते हैं?

उ- सूरदास श्रीकृष्ण और बलराम जी की जोड़ी बनाए रखने की बात करते हैं|

3 श्रीकृष्ण दूध-दही और मक्खन किसे खिलाते थे?

उ- श्रीकृष्ण दूध-दही और मक्खन अपने दोस्तों को खिलाते थे|

4 – श्रीकृष्ण मक्खन चोरी करने कब जाते थे?

उ- श्रीकृष्ण मक्खन चोरी करने दोपहर को जाते थे

5 किसकी चोटी लंबी और मोटी थी?

उ – बलराम जी की चोटी लंबी और मोटी थी |

लघु प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1 – कृष्ण अपनी चोटी के विषय में क्या-क्या सोच रहे थे?

उत्तर – कृष्ण अपनी चोटी के बारे में सोचते थे कि उनकी चोटी भी दूध पीने से बलराम भैया की चोटी जैसी लंबी और मोटी हो जाएगी। माता यशोदा हर रोज उन्हें पीने को दूध देती थी, फिर भी उनकी चोटी बढ़ नहीं रही थी।

प्रश्न 2 – दूध की तुलना में कृष्ण कौन-सा पदार्थ अधिक पसंद करते थे?

उत्तर – कृष्ण अपनी माँ के कहने पर दूध पीते थे परंतु उन्हें दूध पीना ज़रा भी पसंद नहीं था। दूध पीने की जगह मक्खन और रोटी खाना पसंद करते थे।

दीर्घ प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1 – बालक कृष्ण किस लोभ के कारण दूध पीने के लिए तैयार हुए?

उत्तर – यशोदा माँ बालक कृष्ण को लालच देती थी कि यदि वह नियम से प्रतिदिन दूध पीएँगे तो उनकी चोटी भाई बलराम की तरह लंबी और मोटी हो जाएगी। बालक कृष्ण अपने बाल बढ़ाना चाहते थे इसलिए वह न चाहते हुए भी इसी लोभ के कारण दूध पीने के लिए तैयार हो गए।

प्रश्न 2 – "तैं ही पूत अनोखौ जायौ" पंक्ति में ग्वालन के मन के कौन से भाव मुखरित हो रहे हैं?

उत्तर – "तैं ही पूत अनोखौ जायौ", यहाँ पर ग्वालन के मन में ईर्ष्या के भाव मुखरित हो रहे हैं | वह यशोदा से शिकायत करती हुई कहती है कि नटखट कृष्ण प्रतिदिन उनके घर से मक्खन चोरी करके खा जाते हैं। वह यह भी उलाहना देती है कि उन्होंने बहुत अनोखे पुत्र को जन्म दिया है जो दूसरों से अलग हैं।

प्रश्न 3 – मक्खन चुराते समय कृष्ण थोड़ा-सा मक्खन बिखरा क्यों देते हैं?

उत्तर – श्री कृष्ण बहुत छोटे थे और छींका बहुत ऊँचा था। जब वह छींके से मक्खन चोरी करते थे तो थोड़ा मक्खन इधर-उधर बिखर जाता था क्योंकि उनका हाथ छींके तक नही पहुँच पाता था। कृष्ण ऐसा जान-बूझकर भी करते थे ताकि उनकी चोरी पकड़ी जाए और माँ उनसे नाराज़ हो जाए तथा माँ को मनाने का अवसर मिले।

प्रश्न 4 – दोनों पदों में से आपको कौन सा पद अधिक पसंद आया और क्यों?

उत्तर – दोनों पदों में से मुझे पहला पद ज़्यादा पसंद आया क्योंकि यहाँ पर सूरदास जी ने भक्तिरस में डूबकर बाल सुलभ व्यवहार का मनमोहक चित्र प्रस्तुत किया है। वात्सल्य रस की सुंदर अभिव्यक्ति की है। बालक श्री कृष्ण का अपनी माँ से शिकायत करना बड़े सुंदर ढंग से बताया गया है।

--- धन्यवाद ----